उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2081
सोमवार, 9 सितंबर 2024
वर्ष 5, अंक 294, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

# अमृत विचार

बरेली
एक सम्पूर्ण अखबार

PAGE NO 4 : BOTTOM

# ओरल कैंसर: इलाज से साथ रोकथाम भी जरूरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली


ओरल कैंसर पर हुई सीएमई में बोलते एसआरएमएस के देवमूर्ति। • अमृत विचार

**अमृत विचार:** बीमारी के उपचार से ज्यादा जरूरी उसकी रोकथाम है। इसके लिए जागरूकता भी होनी चाहिए। ये बातें एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में रविवार को ओरल कैंसर पर आयोजित सीएमई के उद्घाटन सत्र में चेयरमैन देवमूर्ति ने कहीं।

आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी डिवीजन की ओर से रविवार को आयोजित सीएमई में आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. रोहित शर्मा ने ओरल कैंसर की भयावहता और रोकथाम, इलाज के लिए अत्याधुनिक तकनीक की जानकारी दी। उन्होंने कॉक्लियर इंप्लांट के बारे में बताया। प्रिंसिपल एयर मार्शल सेवानिवृत्त डॉ. एमएस बुटोला ने कालेज की उपलब्धियां बताईं।

सीएमई में नारायणा के सीनियर कंसल्टेंट और ऑन्कोलॉजिस्ट सर्जन डॉ. देबाशीष चौधरी ने

- **एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में ओरल कैंसर पर सीएमई आयोजित**

एडवांस स्टेज के ओरल कैंसर के सर्जिकल मैनेजमेंट, मनिपाल हॉस्पिटल नई दिल्ली के मेडिकल हिमेटो ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. पियूष बाजपेयी ने ओरल कैंसर में टार्गेटेड ट्रीटमेंट से बेहतर परिणाम, जेएलएन भोपाल के सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. शुभम पांडेय ने इलाज में इंफ्रा टेमपोरल फोसा की भूमिका, मैक्स साकेत नई दिल्ली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अक्षत मलिक ने हेड एंड नेक सर्जरी के उपचार की अत्याधुनिक तकनीकों और उसके प्रभाव, आईजीएमसी शिमला के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. जगदीप ठाकुर ने हेड एंड नेक कैंसर की चुनौतियां, इनका सीमित संसाधनों में इसका मैनेजमेंट विषय पर व्याख्यान दिया। डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, डॉ. एसके सागर, डॉ. बिंदु गर्ग, डॉ. ललित सिंह, डॉ. मिलन जायसवाल, डॉ. मनोज टांगड़ी, डॉ. शशांक शाह, डॉ. अभिनव आदि मौजूद रहे।